॥ श्रीः ॥

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

१८६

छन्दोऽलङ्काराः

(चन्द्रालोकश्छन्दोमञ्जरी च)

(पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, बी० ए० भाग १ के पाठ्यक्रमानुसार)

लेखक

डॉ० त्रिलोकीनाथ द्विवेदी

साहित्याचार्य, एम० ए०, विद्यावारिधि (पी-एच्० डी०)

प्रवक्ता : संस्कृत-विभाग

सर्वोदय डिग्री कालेज, घोसी (आजमगढ़)

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

भारती प्रकाश

रा ण सी

491.25DI C
Chandoalankarah

28231

Scanned by TapScanner

विषय-सूची

अलङ्कार

	पृष्ठाङ्कः		पृष्ठाङ्कः
अलङ्कारस्वरूप	१	अक्रमातिशयोक्ति	३४
अनुप्रास	५	तुल्ययोगिता	३५
यमक	८	दीपक	३६
श्लेष	१०	प्रतिवस्तूपमा	३७
उपमा	१४	दृष्टान्त	३८
अनन्वय	१६	निदर्शना	४०
रूपक	१७	व्यतिरेक	४१
उल्लेख	२१	समासोक्ति	४४
अपह्नुति	२२	अप्रस्तुतप्रशंसा	४५
उत्प्रेक्षा	२७	अर्थान्तरन्यास	४७
स्मृति, भ्रान्तिमान्, सन्देह	३०	विरोधाभास	४८
अर्थापत्ति	३१	विभावना	४९
काव्यलिङ्ग	३२	विशेषोक्ति	५०

छन्द

छन्द के सन्दर्भ में कुछ आवश्यक बातें	५२	वृत्त (छन्द) के भेद— समवृत्त, अर्धसमवृत्त, विषमवृत्त	५४
गुरु-लघु की पहचान	५२	मात्राओं की गणना	५४
छन्दों के निर्देश	५२	**समवृत्त**	
गण	५३	इन्द्रवज्रा	५४
गण-निर्देशक सूत्र	५३	उपेन्द्रवज्रा	५५
यति	५३	उपजाति	५६

Scanned by TapScanner

	पृष्ठाङ्कः
वंशस्थ	५७
भुजङ्गप्रयात	५८
द्रुतविलम्बित	५९
वसन्ततिलका	६०
मालिनी	६०
शिखरिणी	६१
मन्दाक्रान्ता	६२
शार्दूलविक्रीडित	६३

		पृष्ठाङ्कः
स्रग्धरा		६४
	अर्धसमवृत्त	
पुष्पिताग्रा		६५
	विषमवृत्त	
अनुष्टुप्		६६
	मात्रिक वृत्त	
आर्या		६७

Scanned by TapScanner